वंचित विद्यार्थियों के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन

*डॉ0 अश्वनी कुमार**

विश्व की विशाल जनसंख्या वाला भारतीय प्रजातन्त्र जिन समस्याओं में उलझा हुआ है, उनमें अधिकांश समस्यायें वर्षों से चली आ रही स्वभावजन्य दासता के परिणाम स्वरूप हैं। एक दृढ़ एवं स्वस्थ प्रजातन्त्र के लिए यह आवश्यक है कि वहाँ का प्रत्येक नागरिक चाहे वह गरीब अथवा निम्न जातीय क्यों न हो, अपने को प्रजातन्त्र के लिए उपयोगी समझता हो। यद्यपि भारतीय संविधान में जाति, धर्म, लिंग; मूल वंश एवं निवास के आधार पर किसी भी प्रकार का भेद–भाव वर्जित है। तथापि शैक्षिक तथा सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों – अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ी जातियों एवं आर्थिक रूप से पिछड़ी, सामान्य जाति के लिए सरकार द्वारा दी जा रही शिक्षा सेवा तथा प्रतिनिधि संस्थाओं द्वारा दी जा रही आरक्षण–व्यवस्था से वंचित किशोर विद्यार्थी असंतुष्ट दिख रहे हैं।

हर जाति में सुविधा सम्पन्न एवं विपन्न लोग पाये जाते हैं जिसका सीधा प्रभाव उनके विकास पर पड़ता है। जब व्यक्ति आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, विद्यालयी या अन्य सुविधाओं से वंचित होता है तो उसके विकास की प्रक्रिया कमजोर पड़ जाती है या रूक जाती है। इस वंचन का प्रभाव विद्यार्थियों के मूल्य पर भी पड़ सकता है। अतः प्रस्तुत शोध वंचित विद्यार्थियों के मूल्यों में अंतर ज्ञात करने की दृष्टि से किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य :

विभिन्न जातीय समूहों के उच्च वंचित एवं निम्न वंचित विद्यार्थियों के मूल्यों के मध्य सार्थक अन्तर ज्ञात करना।

परिकल्पना–

विभिन्न जातीय समूहों के उच्च वंचित एवं निम्न वंचित विद्यार्थियों के मूल्यों के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन विधि – प्रस्तुत अध्ययन हेतु वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श का चयन – प्रस्तुत अध्ययन में बहुपदीय यादृच्छिक प्रतिदर्श विधि का प्रयोग किया गया। सर्वप्रथम वाराणसी शहर में चल रहे उन माध्यमिक विद्यालयों की सूची बनायी गयी जहाँ पर उत्तर–प्रदेश बोर्ड का पाठ्यक्रम पढ़ाया जाता है। उस सूची से यादृच्छिक चयन विधि द्वारा छात्रों

---

* असिस्टेन्ट प्रोफेसर (बी0एड0), बुन्देलखण्ड कालेज, झाँसी

एवं छात्राओं के पाँच–पाँच विद्यालयों का चयन किया गया। उन विद्यालयों से लगभग 800 विद्यार्थियों का चयन करके उन पर वंचन मापनी को प्रशासित किया गया। इस प्रकार विभिन्न जातीय समूहों (सामान्य, पिछड़ी एवं अनुसूचित जाति) के 150 उच्च एवं 150 निम्न वंचित (कुल 300 वंचित) विद्यार्थियों (छात्र/छात्राओं) को प्रतिदर्श के रूप में चयन किया गया।

प्रयुक्त उपकरण –

वंचन –वंचन मापन हेतु कल्पलता पाण्डेय द्वारा बनायी गयी 'वंचन मापनी' का प्रयोग किया गया है । इस अध्ययन में वंचन के पाँच क्षेत्रों को लिया गया है –

1. सामाजिक वंचन, 2. सांवेगिक वंचन, 3. आर्थिक वंचन, 4. शैक्षिक वंचन, 5. पैतृक वंचन

मूल्य – मूल्यों के मापन हेतु कल्पलता पाण्डेय एवं गीता द्वारा निर्मित 'सद्गुण बोध प्रश्नावली' का प्रयोग किया गया है। इस अध्ययन में आठ मूल्यों को लिया गया है –

1. देशभक्ति मूल्य, 2. संवैधानिक मूल्य, 3. सामाजिक मूल्य, 4. सांस्कृतिक मूल्य, 5. पर्यावरणीय मूल्य, 6. अध्यात्मिक मूल्य, 7. ज्ञान मूल्य, 8. उत्कृष्टता मूल्य

परिणाम व व्याख्या

प्रस्तुत अध्ययन हेतु जिन उद्देश्यों को लेकर प्रदत्तों का विश्लेषण किया गया है उनसे प्राप्त परिणाम तथा निष्कर्ष निम्न है–

सारणी–1 विभिन्न जातीय समूहों के उच्च वंचित एवं निम्न वंचित विद्यार्थियों के देशभक्ति मूल्यों के मध्य अन्तर का विवरण

जाति समूह	वंचन	मध्यमान	मानक विचलन	'टी'मान
सामान्य	उच्च	19.42	3.81	1.90
	निम्न	20.88	3.77	
पिछड़ी	उच्च	16.72	2.26	2.83**
	निम्न	18.30	3.17	
अनुसूचित	उच्च	14.12	3.27	6.30**
	निम्न	18.66	3.83	

** .01 विश्वास स्तर पर सार्थक

सारणी–1 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि पिछड़ी जाति के निम्न वंचित विद्यार्थियों में देशभक्ति मूल्य, उच्च वंचित विद्यार्थियों की अपेक्षा प्रबल है तथा अनूसूचित जाति के निम्न वंचित विद्यार्थियों में देशभक्ति मूल्य उच्च वंचित विद्यार्थियों की अपेक्षा प्रबल है।

सारणी–2 विभिन्न जातीय समूहों के उच्च वंचित एवं निम्न वंचित विद्यार्थियों के संवैधानिक मूल्यों के मध्य अन्तर का विवरण

जाति समूह	वंचन	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' मान
सामान्य	उच्च	14.82	2.73	1.79
	निम्न	15.96	3.49	
पिछड़ी	उच्च	11.96	2.84	5.55**
	निम्न	15.06	2.67	
अनुसूचित	उच्च	14.46	2.56	1.33
	निम्न	15.24	3.16	

**. 01 विश्वास स्तर पर सार्थक

सारणी–2 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि पिछड़ी जाति के उच्च वंचित विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्य निम्न वंचित विद्यार्थियों की अपेक्षा निम्न है। जबकि अन्य जातियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

सारणी – 3 विभिन्न जातीय समूहों के उच्च वंचित एवं निम्न वंचित विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों के मध्य अन्तर का विवरण

जाति समूह	वंचन	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' मान
सामान्य	उच्च	16.26	2.27	0.03
	निम्न	16.24	2.91	
पिछड़ी	उच्च	14.88	3.03	1.29
	निम्न	15.62	2.58	
अनुसूचित	उच्च	13.18	3.97	4.98**
	निम्न	16.90	3.39	

**.01 विश्वास स्तर पर सार्थक

सारणी–3 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि अनुसूचित जाति के उच्च वंचित विद्यार्थियों की अपेक्षा निम्न वंचित विद्यार्थियों में सामाजिक मूल्य प्रबल है। जबकि अन्य जातियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

सारणी–4 विभिन्न जातीय समूहों के उच्च एवं निम्न वंचित विद्यार्थियों के सांस्कृतिक मूल्यों के मध्य अन्तर का विवरण

जाति समूह	वंचन	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' मान
सामान्य	उच्च	13.38	3.80	5.29**
	निम्न	17.07	3.03	
पिछड़ी	उच्च	13.98	2.66	0.73
	निम्न	14.42	3.22	
अनुसूचित	उच्च	12.40	3.58	6.39**
	निम्न	16.46	2.63	

**.01 विश्वास स्तर पर सार्थक

सारणी–4 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि सामान्य जाति के उच्च वंचित विद्यार्थियों की अपेक्षा निम्न वंचित विद्यार्थियों में सांस्कृतिक मूल्य प्रबल है तथा अनुसूचित जाति के उच्च वंचित विद्यार्थियों की अपेक्षा निम्न वंचित विद्यार्थियों में सांस्कृतिक मूल्य प्रबल है।

सारणी–5 विभिन्न जातीय समूहों के उच्च एवं निम्न वंचित विद्यार्थियों के पर्यावरणीय मूल्यों के मध्य अन्तर का विवरण

जाति समूह	वंचन	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' मान
सामान्य	उच्च	13.38	3.21	2.59*
	निम्न	14.94	2.70	
पिछड़ी	उच्च	11.14	2.96	5.68**
	निम्न	14.54	2.98	
अनुसूचित	उच्च	12.74	3.13	4.02**
	निम्न	15.24	3.00	

*.05 विश्वास स्तर पर सार्थक
**.01 विश्वास स्तर पर सार्थक

सारणी–5 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि सामान्य जाति के उच्च वंचित विद्यार्थियों की अपेक्षा निम्न वंचित विद्यार्थियों में पर्यावरणीय मूल्य प्रबल है एवं पिछड़ी जाति के उच्च वंचित विद्यार्थियों की अपेक्षा निम्न वंचित विद्यार्थियों में पर्यावरणीय मूल्य प्रबल है तथा अनुसूचित जाति के उच्च वंचित विद्यार्थियों की अपेक्षा निम्न वंचित विद्यार्थियों में पर्यावरणीय मूल्य प्रबल है।

सारणी–6 विभिन्न जातीय समूहों के उच्च एवं निम्न वंचित विद्यार्थियों के आध्यात्मिक मूल्यों के मध्य अन्तर।

जाति समूह	वंचन	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' मान
सामान्य	उच्च	14.88	4.37	1.10
	निम्न	15.72	3.05	
पिछड़ी	उच्च	13.10	3.32	1.76
	निम्न	14.26	3.19	
अनुसूचित	उच्च	13.78	2.53	2.76**
	निम्न	15.30	2.89	

**.01 विश्वास स्तर पर सार्थक

सारणी–6 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि अनुसूचित जाति के उच्च वंचित विद्यार्थियों की अपेक्षा निम्न वंचित विद्यार्थियों में आध्यात्मिक मूल्य प्रबल है। जबकि अन्य जातियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

सारणी–7 विभिन्न जातीय समूहों के उच्च एवं निम्न वंचित विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्यों के मध्य अन्तर।

जाति समूह	वंचन	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' मान
सामान्य	उच्च	17.02	3.50	0.58
	निम्न	17.40	2.90	
पिछड़ी	उच्च	14.30	2.85	4.51**
	निम्न	17.16	3.39	
अनुसूचित	उच्च	13.58	3.31	5.34**
	निम्न	16.90	2.81	

**.01 विश्वास स्तर पर सार्थक

सारणी–7 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि पिछड़ी जाति के उच्च वंचित विद्यार्थियों की अपेक्षा निम्न बंचित विद्यार्थियों में ज्ञान मूल्य प्रबल है तथा अनुसूचित जाति के उच्च वंचित विद्यार्थियों की अपेक्षा निम्न वंचित विद्यार्थियों में ज्ञान मूल्य प्रबल है।

सारणी–8विभिन्न जातीय समूहों के उच्च एवं निम्न वंचित विद्यार्थियों के उत्कृष्टता मूल्यों के मध्य अन्तर का विवरण।

जाति समूह	वंचन	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' मान
सामान्य	उच्च	14.72	3.30	2.58*
	निम्न	16.58	3.79	
पिछड़ी	उच्च	14.04	2.85	1.71
	निम्न	15.14	3.45	
अनुसूचित	उच्च	15.40	2.38	1.51
	निम्न	16.30	3.41	

*.05 विश्वास स्तर पर सार्थक

सारणी–8 से ज्ञात होता है कि सामान्य जाति के उच्च वंचित विद्यार्थियों की अपेक्षा निम्न वंचित विद्यार्थियों में उत्कृष्टता मूल्य प्रबल है। सभी 8 मूल्यों में से सामान्य, पिछड़ी एवं अनुसूचित जाति के उच्च एवं निम्न वंचित विद्यार्थियां के बीच क्रमशः 3, 4 एवं 6 मूल्यों पर सार्थक अन्तर पाया गया।

अतः अध्ययन की परिकल्पना 'विभिन्न जातिय समूहों के उच्च वंचित एवं निम्न वंचित विद्यार्थियों के मूल्यों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, आंशिक रूप से ही स्वीकृत होती है।

सामान्य, पिछड़ी एवं अनुसूचित तीनों ही जातियों के उच्च वंचित विद्यार्थियों में अन्य मूल्यों की अपेक्षा पर्यावरणीय मूल्य सबसे कम महत्वपूर्ण पाया गया, उसमें भी पिछड़ी जाति के उच्च वंचित विद्यार्थियों में यह मूल्य सबसे कम पाया गया। यह तथ्य चिन्ता जनक है कि तीनों जातियों के छात्रों में अपने पर्यावरण, उसके संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं ज्ञान का अभाव है। यद्यपि सरकार एवं अन्य गैर–सरकारी संस्थाओं द्वारा निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। यह अध्ययन यह सुझाव देता है कि उपर्युक्त सभी जातियों में उपर्युक्त मूल्यों के संवर्धन हेतु विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों जैसे–संगोष्ठी, कार्यशालाओं, चित्र–प्रदर्शनी, एवं वाद–विवाद प्रतियोगिताएं इत्यादि का आयोजन किया जाना चाहिए। ताकि वे इस मूल्य के प्रति जागरूक हो सकें।

अध्ययन का एक अन्य महत्वपूर्ण परिणाम यह स्पष्ट करता है कि सामान्य, पिछड़ी एवं अनुसूचित तीनों जातियों के उच्च वंचित विद्यार्थियों में सांस्कृतिक मूल्य अन्य मूल्यों की अपेक्षा कम है । यह एक चेतावनी एवं चिन्ताजनक बात है । अनुसूचित जाति के उच्च वंचित छात्रों में यह मूल्य अन्य वर्ग के वंचित छात्रों की तुलना में सबसे कम है । समाज के हर वर्ग के अन्दर अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता का होना अति आवश्यक है ताकि आने वाली पीढ़ियों में इस संस्कृति का हस्तान्तरण हो सके एवं हमारी पुरानी एवं समृद्ध संस्कृति आने वाले समय में भी जीवित रह सके ।

अध्ययन के परिणामों से स्पष्ट है कि पिछड़ी जाति के उच्च वंचित छात्रों में संवैधानिक मूल्य सबसे कम होता है । पिछड़ा वर्ग समाज के एक बड़े भाग का निर्माण करता है और यदि

वही वर्ग देश के कानून एवं अधिनियमों से परिचित न हो एवं उसका अनुपालन न कर रहा हो तो इससे बड़ी विडम्बना और कुछ नहीं हो सकती । यह अध्ययन पिछड़ी जाति के छात्रों में संवैधानिक मूल्य के संवर्धन पर बल देता है जिसे शिक्षक, अभिभावक अपने प्रयासों द्वारा सुनिश्चित कर सकते हैं । इसके लिए उन्हें भारतीय संविधान मुख्य रूप से मौलिक कर्त्तव्य, मौलिक अधिकार एवं अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों को अनिवार्य रूप पाठ्यक्रम में करना चाहिए ।

संदर्भ ग्रन्थ–

[illegible] का संविधान भारत, विधि और न्याय मन्त्रालय, राज्यभाषा (संस्करण 2003) खण्ड सिविल लाइन्स दिल्ली।

[illegible] ([illegible]) : विभिन्न जातीय समूहों के वंचित विद्यार्थियों की मनोकामनाओं, मूल्यों एवं उनकी शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन, अप्रकाशित शोध शिक्षाशास्त्र विभाग, म0गां0 काशी विद्यापीठ, वाराणसी

[illegible] ([illegible]) : ए स्टडी ऑफ वेल्यूज ऑफ हाई स्कूल बॉयज ऑफ सम स्कूल्स इन वेस्ट बेन्गाल, अप्रकाशित शोध शिक्षाशास्त्र कलकत्ता विश्वविद्यालय

[illegible] ([illegible]) : ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ वेल्यूज, एचिवमेन्ट मोटीवेशन एण्ड मॉरल जजमेन्ट एमंग द एडोलेसेन्ट्स स्टडीइंग इन स्कूल्स रन वाइ वैरियस एजुकेशनल एजेन्सीज, अप्रकाशित शोध शिक्षाशास्त्र, एम0जी0 काशी विद्यापीठ, वाराणसी

[illegible] ([illegible]) : डीपाइव्ड स्टूडेन्ट्स, कॉगनीटिव प्रोसेसेज, मोटिव्स एण्ड एचीवमेन्ट, अरविल भारतीय विक्रम परिषद, काशी